हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 04 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 05 फरवरी से 11 फरवरी 2021

हे प्रभु !

अगर आपके रहते आपके पिता फटे कपड़े पहनते है तो आपके महंगे कपड़े पहनने का कोई फायदा नही है और माँ से ऊँची आवाज में बात करते है तो देवी की पूजा करने से कोई फायदा नही है – अज्ञात

अनमोल विचार

बेहतर करना अच्छी बात है लेकिन किसी का बेहतर करना बहुत बड़ी बात है – अज्ञात

नजरिया

बोलना तो जन्म के दो वर्षो बाद ही सीख जाते है लेकिन बोलना क्या है इसे सीखने में पूरा जीवन लग जाता है.

–संपादक

संक्षिप्त खबरें

अंतरराष्ट्रीय मंच पर किसान आंदोलन, जानें कौन-कौन आया समर्थन में

नई दिल्ली: अमरीकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस की भतीजी मीना हैरिस और पूर्व पोर्न स्टार मिया खलीफा ने तीन कृषि कानूनों को वापस लिए जाने की मांग को लेकर पिछले वर्ष 26 नवंबर से दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलनरत किसानों के प्रति अपना समर्थन जताया है। किसानों के आंदोलन वाले बहुत से स्थानों पर इंटरनेट सेवाएं बंद कर दिए जाने जैसी सरकार की कार्रवाई पर प्रकाश डालते एक समाचार आलेख की साझेदारी करते हुए रिहाना ने ट्वीट किया कि हम इस बारे में बात क्यों नहीं कर रहे हैं। उन्होंने अपने ट्वीट में किसान आंदोलन को हैशटैग भी किया।

किसान आंदोलन के बीच बड़ा फैसला: केजरीवाल सरकार

ने दल्ली पुलिस से मांगी DTC बसें, कहा- जल्दी लौटाओ

नई दिल्ली: कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसानों के प्रदर्शन और दिल्ली की सीमाओं पर सुरक्षा-व्यवस्था के बीच केजरीवाल सरकार ने दिल्ली पुलिस से डीटीसी बसों को लौटाने को कहा है। दिल्ली परिवहन विभाग ने डीटीसी को निर्देश देकर दिल्ली पुलिस को प्रदान की गई 576 बसों को वापस करने को कहा है। दरअसल, डीटीसी की ये बसें सुरक्षा एजेंसियों द्वारा किसान प्रदर्शन के दौरान आवाजाही के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि

शहर के विभिन्न हिस्सों में तैनाती के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बल के कर्मचारियों की आवाजाही के लिए लो-फ्लोर डीटीसी बसों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है। अधिकारियों ने कहा कि संबंधित विभागों को बसों को जल्द छोड़ने के लिए कहा गया है। अधिकारी ने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा ली गई डीटीसी से ली गई रिपोर्टों से पता चला है कि दिल्ली के डिपो में 20 प्रतिशत से अधिक बसें विशेष किराये पर चल रही हैं। इतना ही नहीं, 26 जनवरी को हुई हिंसा के दौरान कई बसें क्षतिग्रस्त हो गईं थीं। बता दें कि वर्तमान में 3,700 से अधिक डीटीसी बसें हैं। सरकारी अधिकारी ने हा कि ह्यविशेष किरायेह्न पर चल रहीं डीटीसी की बसों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने का फैसला किया गया है। अधिकारियों द्वारा यह भी निर्णय लिया गया है कि अब विशेष किराया के तहत डीटीसी की बसों को लेने के लिए दिल्ली पुलिस या किसी सुरक्षा एजेंसी को सरकार की मंजूरी लेनी होगी।

किसान नेताओं में पड़ी फूट? गुरनाम सिंह चढूनी ने राकेश टिकैत पर लगाया किसान आंदोलन को बेचने का आरोप

सोनीपत। दिल्ली में गणंतत्र दिवस पर हुई हिंसा के बाद अब किसान नेताओं में भी फूट पड़ती दिख रही है। भारतीय किसान यूनियन के नेता गुरनाम सिंह चढूनी ने भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत पर किसान आंदोलन को बेचने का गंभीर आरोप लगाया है।

चढूनी ने आज एक वीडियो जारी कर अपने बयान में आरोप लगाया कि टिकैत भारतीय जनता पार्टी (BJP) की गोद में बैठे हैं। उन्होंने किसान आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए किसानों का धन्यवाद किया।

ICON OPTICAL GALLERY

Buy 2 Prs of prescription Antireflection glasses of Rs 1600/- and get 2 frames free.....

Buy 2 Prs of Blue Cut Antireflection prescription glasses of Rs 1899/- and get 2 frames free.....

Buy 1 Frame or Sunglass & get 1 Frame or Sunglass free Rs 1000/- onwards.....

Branded Frames, Sunglasses & Glasses available with discount.

We make any Single Vision, Bifocal and Progressive prescription Glasses in 1 or 2 hrs.

9819292152
murtaza12152@yahoo.com
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053

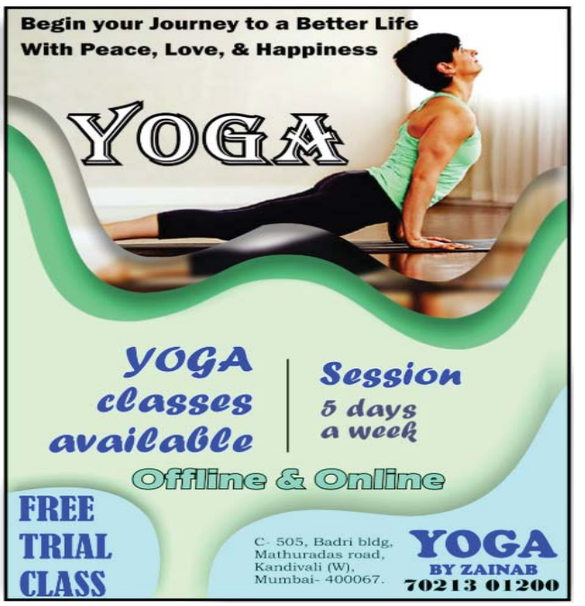

रेप के आरोप के बाद अब धनंजय मुंडे पर 'रिलेशनशिप' पर रहने वाली महिला ने लगाया यह आरोप

मुंबई : महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे के साथ 'रिलेशनशिप' में रही एक महिला ने पुलिस के समक्ष की गई शिकायत में आरोप लगाया है कि पिछले तीन महीने से उसके दो बच्चों को मंत्री ने अपने बंगले में रखा हुआ है और वह उसे बच्चों से मिलने या बात करने नहीं दे रहे हैं। मुंडे ने बुधवार को दिए बयान में कहा कि महिला द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोप बेबुनियाद हैं। उन्होंने दावा किया कि इन आरोपों का उद्देश्य उन्हें बदनाम करना है। महिला ने अपने जन्म दिन पर, मंगलवार को, फेसबुक पर एक कथित तौर पर एक पोस्ट कर मामले की जानकारी दी। महला ने धमकी दी है कि अगर पुलिस ने हस्तक्षेप नहीं किया, तो वह 20 फरवरी से भूख हड़ताल करेगी। पोस्ट में महिला का दावा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता ने दक्षिण मुंबई के सरकारी बंगले में उसके बच्चों को तीन महीने से छिपा कर रखा है। मुंबई पुलिस आयुक्त कार्यालय को दी लखित शिकायत में महिला ने दावा किया कि 14 वर्षीय उसकी बेटी सुरक्षित नहीं है। उल्लेखनीय है कि सामाजिक न्याय मंत्री ने पिछले महीने बताया था कि उक्त महिला के साथ वर्ष 2003 से आपसी सहमति वाले उनके रिलेशनशीप थे तथा परिवार, पत्नी एवं मित्र यह जानते हैं। मुंडे ने बताया था कि उक्त महिला से उनके दो बच्चे- एक लड़का एवं लड़की- है।

बीएमसी पेश करेगी अपना बजट

देश की सबसे अमीर महानगपालिका पर टिकी मुंबईकरों की उम्मीदें

मुंबईः कोरोना संकट के बीच देश की सबसे बड़ी मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) का वर्ष 2021-22 का बजट बुधवार को पेश होगा। अब तक मुंबईकरों के लिए मूलभूत सुविधा, जिसमें सड़क, पानी, गार्डन, शिक्षा व अन्य सुविधाओं में कैसे इजाफा हो, इस पर बीएमसी का बजट केंद्रित रहता था। लेकिन कोरोना संकट ने बीएमसी के सामने नई चुनौती पेश की है।जिसकी छाप बीएमसी के बजट पर दिखाई पड़ सकती है। इस दौरान कोरोना महामारी के कारण आर्थिक संकट से जूझ रहे मुंबईकर किसी नए टैक्स के बोझ को उठाने में सक्षम नहीं हैं। यह बात बीएमसी अच्छी तरह से जानती है। इसलिए बजट में नए कर की उम्मीद कम ही है।बजट पर मुंबईकरों की निगाहें बीएमसी को अब मुंबईकरों को मूलभूत सुविधाओं के साथ लोगों को स्वस्थ रखने के लिए विशेष हॉस्पिटल व अन्य चीजों की व्यवस्था करनी होगी। जिससे कोरोना महामारी जैसी बीमारियों

से निपटा जा सके। जिसके लिए बजट में अलग से प्रावधान करना होगा। कोरोना की वजह से कई विकास परियोजनाएं प्रभावित हुईं, जिसे बूस्ट देने के लिए बीएमसी कमिश्नर आईएस चहल को बजट में कुछ अतिरिक्त करना पड़ेगा। जिसमें कोस्टल रोड, देवनार में कचरे से बिजली उत्पादन, मुंबई में कचरा कम करना, मुंबई को पानी आपूर्ति के लिए गारगाई प्रोजेक्ट, समुद्र से पानी मीठा करने के लिए मनोरी प्रॉजेक्ट आदि शामिल हैं। मुंबईकर किसी नए टैक्स का बोझ उठाने की स्थिति में नहीं है। हमारा मानना है कि बजट में हेल्थ को लेकर विशेष प्रावधान करने की जरूरत है।पुरानी **परियोजनाओं को गति देने का दबाव**

कोरोना संकट का सीधा असर बीएमसी के राजस्व आय पर पड़ा है। प्रॉपर्टी टैक्स की वसूली इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इसके बावजूद आर्थिक वर्ष में कोई नया कर न लगाते हुए पुरानी परियोजनाओं को गति देने का दबाव बीएमसी पर रहेगा। आईएस चहल बुधवार को स्थायी समिति को वर्ष 2021-22 का बजट सौंपेंगे। सड़कों की मरम्मत, शुद्ध एवं भरपूर पानी की आपूर्ति, बीएमसी स्कूलों में शिक्षा का स्तर बढ़ाने, और मैदानों एवं गॉर्डन की स्थिति सुधारने पर बजट में विशेष प्रावधान होने की उम्मीद है। साथ ही खर्चे और आय में तालमेल बिठाते हुए पर्यटन को बजट में बढ़ावा मिल सकता है। कोरोना संकट का असर रियल इस्टेट सेक्टर पर भी पड़ा है, प्रीमियम देकर सरकार ने उसमें कुछ तेजी लाने की कोशिश की है, लेकिन ऐसा होने में कुछ समय लगेगा। उसके बाद ही बीएमसी की तिजोरी को फायदा होगा।

नाइट लाइफ के लिए हो सकते हैं प्रावधान

बजट में सड़कों की मरम्मत, पानी की पाइपलाइनों की मरम्मत, पुलों की मरम्मत, सीवरेज, कचरा, प्राथमिक शिक्षा और प्राथमिक स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं पर भी जोर रहने की उम्मीद है। कोरोना संकट के कारण लगभग बंद हो चुकी मुंबई की नाइट लाइफ को बढ़ावा देने के लिए भी बजट में कुछ नए प्रावधान हो सकते हैं।

बजट के जरिए वोट की गंदी राजनीति कर रहा है केंद्रः शिवसेना

मुंबई : शिवसेना ने मंगलवार को दावा किया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में उन कुछ राज्यों के लिए बड़े पैकेज की घोषणा की है जहां आगामी कुछ महीनों में चुनाव होने हैं। उसने पूछा कि क्या बजट का इस्तेमाल चुनाव जीतने के हथियार के रूप में करना सही है। शिवसेना के मुखपत्र ह्यसामनाह्ल के संपादकीय में कहा गया है कि उन राज्यों को अधिक धन आवंटित करना घूस देने के समान है जहां आगामी कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उसने केंद्र पर बजट के जरिए वोट की ह्यह्लगंदी राजनीति करने का नया चलन शुरू करने का आरोप लगाया। शिवसेना ने यह भी आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के कोष में सर्वाधिक राजस्व का योगदान देने वाले राज्य महाराष्ट्र की केन्द्र ने उपेक्षा की। सीतारमण ने सोमवार को केंद्रीय बजट 2021-22 पेश किया। संपादकीय में कहा गया कि दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि (केंद्र) सरकार ने बजट के जरिए वोटों की गंदी राजनीति का खेल खेलने का नया चलन शुरू किया है।

दाऊद इब्राहीम के गुर्गे चिंकू पठान को ATS ने किया गिरफ्तार, नशीले पदार्थ का करता था कारोबार

मुंबईः महाराष्ट्र के आतंकवाद रोधी दस्ते (ATS) ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहीम के गुर्गे परवेज खान उर्फ चिंकू पठान को मादक पदार्थ के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। एनसीबी ने पठान को पिछले सप्ताह नवी मुम्बई के घंसोली से मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया था। इस संबंध में आगे की कार्रवाई करते हुए एनसीबी ने दक्षिण मुम्बई के डोंगरी इलाके में कुछ स्थानों पर छापेमारी कर दो करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त किए थे। एटीएस ने पिछले साल अक्तूबर में मादक पदार्थ से जुड़े मामले में सोहैल सैयद और जिशान को भी गिरफ्तार किया था। एटीएस के एक अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पठान के मामले में शामिल होने की बात सामने आई, जो ठाणे के सेंट्रल जेल में बंद था। अधिकारी ने बताया कि एटीएस ने शनिवार को ट्रांसफर वारंट के जरिए एनसीबी से पठान को हिरासत में लिया और उसे यहां लाई। उन्होंने बताया कि पठान को उसी दिन मुंबई की एक अदालत के समक्ष पेश किया गया, जिसने उसे 10 फरवरी तक एटीएस की हिरासत में भेज दिया। एनसीबी ने पिछले महीने पठान के साथी आरिफ भुजवाला को भी रायगढ़ जिले से गिरफ्तार किया गया था।

सड़क दुर्घटना में एक मौत, एक की जख्मी

विरार : विरार पुलिस स्टेशन अंतर्गत सड़क दुर्घटना में एक की दर्दनाक मौत,जबकिं एक जख्मी होने की घटना सामने आई है। पुलिस वाहन चालक मृतक के ऊपर मामला दर्ज कर आगे की तहकीकात में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार, दानिश कासीम शेख,निवासी- विकासपाडा,तलासरी क्षेत्र में रहता था।बताया गया है कि,1 फरवरी को दानिश ट्रक क्र. जी.जे 15/ए.व्ही 4556 से तेज रफ्तार व सड़क नियमों की अनदेखी करते हुए जा रहा था,जैसे ही खानीवड़े टोलनाका के 200 मीटर की दूरी स्थित पहुंचा, तभी टोल लेने के लिए लाइन में खड़ी ट्रक क्र. एन.एल 01/एसी 7458 को पीछे से जोरदार ठोकर मारा। इस हादसे में ट्रक क्लीनर जख्मी हो गया,जबकि चालक दानिश की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हिंदुओं के खिलाफ शरजील उस्मानी का भड़काऊ भाषण

BJP ने उद्धव ठाकरे सरकार को घेरा

मुंबई : हाल ही में पुणे में आयोजित एल्गार परिषद के कार्यक्रम में शरजील उस्मानी द्वारा कथित तौर पर हिंदुओं को लेकर दिए गए भड़काऊ भाषण पर बवाल मच गया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को आरोप लगाया है कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (अटव) के पूर्व छात्र शरजील उस्मानी ने सम्मेलन में अपने भाषण के दौरान हिंदुओं की भावनाओं का अपमान किया था और उन्होंने उस्मानी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता फडणवीस ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने बीजेपी की मांगों के बावजूद उस्मानी के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की। पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने कहा, एक वीडियो में, शरजील उस्मानी एल्गार परिषद में बोल रहा है। उस्मानी ने हिंदू समुदाय की भावनाओं का अपमान किया है। एक व्यक्ति महाराष्ट्र में आता है, हमारी भावनाओं का अपमान करता है, और बिना किसी कानूनी कार्रवाई का सामना किए अपने गृह राज्य लौट जाता है। अगर राज्य सरकार उसके खिलाफ कोई कार्रवाई करने में विफल रहती है, तो हम मान लेंगे कि सरकार उस्मानी के साथ है। गौरतलब है कि यह सम्मेलन शनिवार को आयोजित किया गया था और इसमें भाग लेने वालों में प्रख्यात उपन्यासकार अरुंधति रॉय, पूर्व आईपीएस अधिकारी एस एम मुशरिफ, बम्बई उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बी जी कोलसे-पाटिल और उस्मानी शामिल थे।अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र शरजील उस्मानी के जिस बयान पर हाहाकार मचा हुआ है, वह उसने एल्गार परिषद के सम्मेलन में दिया था। विभिन्न न्यूज चैनलों में प्रसारित किए गए वीडियोज की मानें तो शरजील कह रहा है कि हिंदू समाज पूरी तरह से सड़ चुका है।

बस का ब्रेक फेल,कंटेनर को टक्कर 15 घायल

पालघर : एक ट्रेवल्स बस के ब्रेक फेल होने के कारण चारोटी टोलनाका के समीप मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग पर दुर्घटना हुई है। बस ने कंटेनर को जोरदार टक्कर मारी इस हादसे में बस के 15 यात्री घायल हो गए और बस का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों का इलाज कासा के उप-जिला अस्पताल में चल रहा है। बस में कुल 25 यात्री यात्रा कर रहे थे। जैसे ही ड्राइवर ने देखा कि, उसके बस का ब्रेक फेल हो गया है,तो उसने सड़क के किनारे खड़े कंटेनर को टक्कर मार दी।यह घटना सुबह 4 बजे मुंबई से गुजरात जाने वाली एक ट्रेवल्स बस के साथ हुई । सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है।

कार के ड्राइवर ने खोया नियंत्रण और डिवाइडर से टकराई

मुंबई-नासिक मार्ग पर चार लोगों की मौत

ठाणे : महाराष्ट्र में मुंबई-नासिक मार्ग पर सड़क दुर्घटना में कार में सवार चार लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गये। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। भिवंडी पुलिस नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना रविवार रात करीब साढ़े 11 बजे भिवंडी डिविजन क्षेत्र में कोंगांव पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिम्पलास गांव के पास हुई। अधिकारी ने बताया कि कार चालक ने संभवतः वाहन से नियंत्रण खो दिया था, जिसके कारण कार सड़क पर डिवाइडर से जा टकरायी और फिर सड़क पार कर सामने से आती एक निजी बस से टकरा गयी। बस मुंबई से शिरडी जा रही थी।उन्होंने बताया कि कार में सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। मृतकों की पहचान गोकुल गावते (29), पंकज जावले (29), कार चालक ज्वाला वी बी सिंह (27) और गौरव सुधीर सिंह (27) के रूप में हुई है। कार में सवार दो अन्य लोग और बस के दो यात्री भी इस दुर्घटना में घायल हुए हैं। अधिकारी ने बताया कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोंगांव पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 304-ए (लापरवाही से वाहन चलाने के कारण मृत्यु) समेत विभिन्न धाराओं और मोटर वाहन अधिनियम कानून के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया है।

संपादकीय

जल्दी हो समाधान

भारत में पिछले वर्ष से ही चल रहा किसान आंदोलन दुनिया का ध्यान अगर अपनी ओर खींचने लगा है, तो यह न केवल विचारणीय, बल्कि चिंताजनक भी है। दुनिया की तमाम सरकारें जानती हैं कि भारत में कृषि कानून संसद में बहस के बाद बहुमत से पारित हुए हैं। इसलिए कुछेक देशों की सरकारों या जिम्मेदार नेताओं के अलावा किसी की टिप्पणी देखने में नहीं आई थी, पर जब चर्चित गायिका रिहाना, पर्यावरणविद् ग्रेटा थनबर्ग और अमेरिकी उपराष्ट्रपति की एक रिश्तेदार की टिप्पणी किसान आंदोलन के समर्थन में आई, तब भारतीय विदेश मंत्रालय का चौंकना वाजिब था। ये ऐसी हस्तियां हैं, जिनकी टिप्पणी करोड़ों लोगों के बीच चर्चा की वजह बनती हैं। ऐसे में, आंदोलन के समर्थकों को जरूर अच्छा लगा होगा, लेकिन विदेश मंत्रालय की तीखी प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। विदेश मंत्रालय ने साफ कहा है कि सोशल मीडिया पर सनसनीखेज टिप्पणी से लुभाने का तरीका, खासकर जब टिप्पणी मशहूर हस्तियों और अन्य लोगों द्वारा की गई हो, न तो सटीक है और न ही जिम्मेदाराना। विदेश मंत्रालय ने ऐसी टिप्पणी करने वालों को सावधान करते हुए कहा है कि इस तरह के मामलों में टिप्पणी करने से पहले हम आग्रह करते हैं, तथ्यों का ढंग से पता लगाया जाए और मुद्दों को सही ढंग से समझा जाए। चिंता की बात यह है कि किसान आंदोलन के जरिए केंद्र सरकार की आलोचना कहीं पूरे भारत की आलोचना में न बदल जाए। ऐसा अक्सर देखने में आता है कि किसी देश में घटने वाली एक घटना का खामियाजा उस पूरे देश को भुगतना पड़ता है। भारत सरकार इसी वजह से ज्यादा गंभीर दिख रही है, तो आश्चर्य नहीं। पिछले दिनों कुछ देशों से ऐसी सूचनाएं आई हैं कि महात्मा गांधी की मूर्तियों को भी नुकसान पहुंचाया गया है। अगर भारत सरकार का विरोध दुनिया के सोशल मंचों पर तेज होता है, तो यह एक तरह से भारत का भी विरोध होगा। हमें समझना-समझाना होगा, भारत के किसानों के साथ दुनिया के अनेक देशों के किसानों की तुलना वाजिब नहीं है। बहुत सारी सुविधाएं और सम्मान हैं, जो भारत में किसानों को नसीब हैं। जो कृषि सुधार भारत अब कर रहा है, वैसे सुधार दुनिया के कई देश पहले ही कर चुके हैं। ऐसे देशों में अमेरिका भी शामिल है। अतः कृषि कानूनों, वार्ता की कोशिशों और सुप्रीम कोर्ट के निदेशों को समझने के बाद ही किसी को टिप्पणी करनी चाहिए। हालांकि, सोशल मीडिया की भेड़चाल में हर किसी के पढ़े-लिखे होने की उम्मीद कैसे की जाए? भारतीय कर्णधारों को तैयार रहना चाहिए, आने वाले दिनों में सोशल मीडिया तकलीफ दे सकता है। कुल मिलाकर, किसान आंदोलन को मिल रहा अंतरराष्ट्रीय वांछित-अवांछित समर्थन और उस पर विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया कोई ऐसी बात नहीं, जिससे हमारा गौरव बढ़े।

क्या गरीबों पर खर्च घट जाएगा

"यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस वित्त वर्ष में केंद्र प्रायोजित योजनाओं का खर्च बढ़ा है। मनरेगा जैसी कुछ ही योजनाओं में सरकार ने खर्च बढ़ाया है, जबकि दूसरी अनेक योजनाओं का खर्च घटा है। कोरोना की वजह से राज्यों को बाजार से उधार लेने के लिए मजबूर किया गया है, क्योंकि केंद्र सरकार के करों में राज्यों का हिस्सा काफी घट गया था। राज्यों के बजट पर इसका दीर्घावधि में परिणाम दिखेगा।

कोविड-19 जैसा कोई दूसरा संकट नहीं और जैसी आशंका थी, इसने केंद्र सरकार के पूरे अंकगणित पर कहर बरपा दिया है। गिरते कर राजस्व और खर्च के बढ़ते दबाव से सरकार की जद्दोजहद साफ दिख रही है। इसलिए दो सवाल हैं, जो इस बार के बजट से पूछे जाने की जरूरत है। एक, महामारी के कारण हुई भारी आर्थिक क्षति का मुकाबला करने के लिए सरकार ने अपनी व्यापक-राजकोषीय स्थिति को किस तरह फिर से खड़ा करने का प्रयास किया और कोविड-19 के कारण बिगडे. आर्थिक संकट के जवाब में उसने जो नीतियां अपनाईं, उनके बारे में यह बजट क्या कहता है? दूसरा, अर्थव्यवस्था को फिर से सेहतमंद बनाने के लिए 2021-22 का बजट कैसी नीतिगत राह दिखाता है? वित्त वर्ष 2020-21 में लॉकडाउन से पैदा आर्थिक ठहराव के कारण राजस्व में गिरावट अपेक्षित थी, जबकि खर्च का दबाव बढ़ता चला गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई देनी चाहिए कि वित्तीय वर्ष 2025-26 तक राजकोषीय घाटे को युक्तिसंगत बनाने की राह तैयार करते हुए उन्होंने इस घाटे के आंकड़ों को साफगोई से सबके सामने रखा है। एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि खाद्य सब्सिडी के लिए ऑफ-बजट कर्ज (ऐसा कर्ज, जो सरकार खुद न लेकर किसी सरकारी संस्था को लेने के लिए कहती है। ये कर्ज सरकार के खर्च को पूरा करने में मदद करते हैं) की परंपरा को भी उन्होंने तोड़ा है। हालांकि, आंकड़ों पर गौर करें, तो तस्वीर कहीं अधिक जटिल जान पड़ती है।

पहली वजह, कर राजस्व बेशक लुढ़क गया, लेकिन केंद्र की आमदनी पर वास्तविक चोट विनिवेश में गिरावट और बही-खाता में ह्यऑफ-बजट खर्चह्ण (ऐसा खर्च, जिसकी चर्चा आम बजट में न हो) की आमद के कारण पड़ी है। दूसरा कारण, व्यय में बढ़ोतरी

मूलतः खाद्य एवं खाद सब्सिडी (करीब 80 फीसदी) के कारण हुई है, जबकि 3.88 फीसदी वृद्धि की वजह स्वास्थ्य खर्च है। तीसरी वजह, करों के राजस्व-पुल में राज्यों की हिस्सेदारी 32 फीसदी के बजटीय अनुमान से घटकर 28.9 फीसदी (संशोधित अनुमान 2020-21) हो गई है। सरकार ने इस धारणा पर भरोसा किया है कि विनिवेश से होने वाली आय से खर्च संबंधी जरूरतों को वह पूरा कर लेगी। अच्छें वक्त में यह बुरी अर्थनीति मानी जाती है, मगर महामारी के समय में यह गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है। सरकार पूंजी-प्रवाह को बढ़ाने के लिए यदि खर्च बढ़ाने या करों में कटौती जैसे बजटीय प्रावधानों से परहेज करती है, तो यह राजकोषीय कुप्रबंधन का नतीजा है, न कि कोविड-19 से मिले आर्थिक झटकों का। इस बार के बजट में विनिवेश पर जोर दिया गया है, जो स्वागतयोग्य तो है, पर यह खासा जोखिम भरा भी है। इन लक्ष्यों को पाने के लिए वित्त वर्ष 2021-22 में सरकार को बिना देरी मजबूत प्रतिबद्धता दिखानी पड़ेगी। दूसरा, वित्त वर्ष 2020-21 में खर्च में बढ़ोतरी सब्सिडी और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के माध्यम से जरूरी राहत देने तक सीमित थी। कुल मिलाकर, वित्त वर्ष 2021 में व्यय का जीडीपी बजट अनुमान 13.53 से बढ़कर 14.4 प्रतिशत हो गया। हालांकि, अर्थव्यवस्था ज्यादा सिमटी है और खर्चों में कम बढ़ोतरी हुई है।

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस वित्त वर्ष में केंद्र प्रायोजित योजनाओं का खर्च बढ़ा है। मनरेगा जैसी कुछ ही योजनाओं में सरकार ने खर्च बढ़ाया है, जबकि दूसरी अनेक योजनाओं का खर्च घटा है। कोरोना की वजह से राज्यों को बाजार से उधार लेने के लिए मजबूर किया गया है, क्योंकि केंद्र सरकार के करों में राज्यों का हिस्सा काफी घट गया था। राज्यों के बजट पर इसका दीर्घावधि में परिणाम दिखेगा। बेशक, राज्य सरकारें केंद्र सरकार की तुलना में ज्यादा बेहतर राजकोषीय अनुशासन का प्रदर्शन करती हैं। जैसा कि इस लेख में हम चर्चा कर चुके हैं कि लॉकडाउन के बाद के आर्थिक सुधार असमानता को गहरा करने के संकेत दे रहे हैं। अब आर्थिक गतिविधियां महामारी पूर्व की स्थिति के करीब पहुंच गई हैं, लेकिन यह काफी हद तक लाभ द्वारा संचालित हैं। बड़ी सूचीबद्ध कंपनियों ने छोटी कंपनियों व असंगठित क्षेत्र की कीमत पर मुनाफा बटोरा है। इसका श्रम बाजार पर गहरा असर हुआ है, खासकर असंगठित क्षेत्र में श्रम पर संकट गहराया है। अच्छी अर्थनीति या नैतिकता तो यही है कि इस प्रवृत्ति या ढर्रे को उलट दिया जाए। आखिरकार, यदि बहुसंख्यकों या ज्यादातर लोगों की क्रय शक्ति कम रहती है, तो मांग में गिरावट आएगी। इस संदर्भ में वित्तीय वर्ष 2021-22 के बजट में जन-कल्याण के लिए होने वाले खर्च में बढ़ोतरी करनी चाहिए। जन-कल्याणकारी योजनाएं होती ही इसलिए हैं कि वे समावेशी सामाजिक सुरक्षा ढांचे का निर्माण करें। कमजोर समूहों को बल प्रदान करें। विशेष रूप से प्रवासी मजदूरों और उनके पूंजीगत व्यय बढ़ाने का काम ऐसी जन-कल्याण योजनाएं करती हैं। पहली नजर में देखें, तो सोमवार को पेश बजट में सरकार ने केवल पूंजीगत व्यय सुधार की दिशा में काम किया है। सुधार के लक्ष्य के साथ कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं, जिन्हें अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रमण्यन ने ह्यसॉफ्टवेयरह्ण कहा है, जैसे एक खराब बैंक का निपटारा, डीएफआई के लिए प्रस्ताव और बैंक पुनर्पूंजीकरण। ये सभी सही दिशा में उठाए गए कदम हैं। हालांकि, यहां होने वाली बढ़ोतरी तुरंत रोजगार में तब्दील नहीं होगी और न गरीबों की मजदूरी बढ़ाएगी। अभी शासन के सामने ऐसी चुनौतियां हैं, जिन्हें रातोंरात दुरुस्त नहीं किया जा सकता। इस संदर्भ में यह मान लेना एक गलती होगी कि वित्त वर्ष 2021-22 अपने कल्याणकारी व्यय कम करने के लिए सरकार को मौका देगा। लेकिन वित्त वर्ष इस वर्ष के बजट में खाद्य सब्सिडी और मनरेगा के आवंटन में कटौती साफ है।

घर-संसार

संकष्टी चतुर्थी : भगवान गणेश की आराधना से मिलेगा सौभाग्य

संकष्टी चतुर्थी माघ मास में कृष्ण पक्ष को आने वाली चतुर्थी को कहा जाता है। इस चतुर्थी को माघी चतुर्थी या तिल चौथ भी कहा जाता है। बारह माह के अनुक्रम में यह सबसे बड़ी चतुर्थी मानी गई है। इस दिन भगवान श्रीगणेश की आराधना सुख-सौभाग्य आदि प्रदान करने वाली कही गई है। संकष्टी चतुर्थी व्रत करने से घर-परिवार में आ रही विपदाएं दूर होती हैं। कई दिनों से रुके हुए मांगलिक कार्य संपन्न होते हैं तथा भगवान श्रीगणेश असीम सुखों को प्रदान करते हैं। इस दिन गणेश कथा सुनने अथवा पढ़ने का विशेष महत्त्व माना गया है। व्रत करने वालों को इस दिन यह कथा अवश्य पढ़नी चाहिए। तभी व्रत का संपूर्ण फल मिलता है।

भगवान गणेश की कृपा प्राप्त करने हेतु संकष्टी चतुर्थी का व्रत निम्न प्रकार करना चाहिए : सर्वप्रथम व्रत करने वाले को चतुर्थी के दिन सुबह स्नान आदि से निवृत्त होकर स्वच्छ वस्त्र धारण करने चाहिएं। इस दिन व्रतधारी लाल रंग के वस्त्र धारण करे तो विशेष लाभ होता है। श्रीगणेश की पूजा करते समय व्रती को अपना मुंह पूर्व अथवा उत्तर दिशा की ओर रखना चाहिए। तत्पश्चात स्वच्छ आसन पर बैठकर भगवान गणेश का पूजन करें। इसके बाद फल, फूल, रौली, मौली, अक्षत, पंचामृत आदि से भगवान गणेश को स्नान करा कर विधिवत प्रकार से पूजा-अर्चना करनी चाहिए। गणेश पूजन के दौरान धूप-दीप आदि से श्रीगणेश की आराधना होनी चाहिए। भगवान गणेश को तिल से बनी वस्तुओं का भोग लगाना चाहिए। पौराणिक गणेश कथा के अनुसार एक बार देवता कई विपदाओं में घिरे थे। तब वह मदद मांगने भगवान शिव के पास आए। उस समय शिव के साथ कार्तिकेय तथा गणेशजी भी बैठे थे। देवताओं की बात सुनकर शिवजी ने कार्तिकेय व गणेश से पूछा कि, से कौन देवताओं के कष्टों का निवारण कर सकता है।

SP से जज ने पूछा, गायब लड़की को धरती खा गई या आसमान निगल गया

बिहार : किशोर न्याय परिषद के प्रधान दंडाधिकारी मानवेंद्र मिश्र ने बिहार के नालंदा जिले के परवलपुर थाना क्षेत्र के गांव से लापता लड़की की बरामदगी एवं लहेरी थाना क्षेत्र की बाजार समिति से वर्ष 2018 में मिली युवती की सिरकटी लाश के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। इन्होंने एसपी हरि प्रसाथ एस को पत्र भेजकर इस संबंध में अद्यतन स्थिति की रिपोर्ट 10 फरवरी तक देने को कहा है। जज ने गायब लड़की के संबंध में कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा है कि गायब हुई लड़की को क्या आसमान निगल गया या जमीन खा गयी। पुलिस अनुसंधान पर भी सवालिया निशान उठाते हुए कहा है कि संविधान द्वारा नागरिकों को गरिमापूर्ण तरीके से जीने का अधिकार मिला है। पुलिस के इस उदासीन एवं धीमी अनुसंधान से यह लक्ष्य धूमिल हो रही है। कोर्ट ने एसपी से 5 बिंदुओं पर जवाब मांगा है। इसके तहत कोर्ट ने पूछा है कि गायब हुई लड़की की बरामदगी के लिए अनुसंधानक ने अब तक क्या कार्रवाई की। दूसरी बाजार समिति से बरामद लाश की डीएनए जांच की ताजा स्थिति क्या है। अगर वह लाश निभा की नहीं है, तो फिर किसकी लाश थी। उस सिरकटी लाश का कोई अन्य दावेदार अब तक दावा पेश किया या नहीं। सिरकटी लाश के संबंध में पुलिस ने कोई यूडी केस दर्ज किया है अथवा नहीं। इस संबंध में अब तक की जांच रिपोर्ट देने को कहा है। 7 जुलाई 2018 को परवलपुर थाना क्षेत्र निवासी विनय

प्रसाद ने अपनी नाबालिग पुत्री निभा कुमारी की लापता होने की एफआईआर करायी थी। इसमें तीन को आरोपित किया था। पुलिस ने अनुसंधान के दौरान आरोपितों को गिरफ्तार किया। इसमें आरोपियों ने लड़की के साथ बातचीत करने की बात स्वीकार की थी। जबकि, एक ने बताया था कि लड़की अक्सर शादी के लिए दबाव बनाती थी। इसकी पुष्टि मोबाइल सीडीआर से भी हुई।इसी दौरान 19 जुलाई 2018 को बाजार समिति से युवती की सिरकटी लाश बरामद हुई थी।

माघ मेले के लिए लगे पीएसी कैंप में लगी आग, चार टेंट जले

प्रयागराज : यूपी के प्रयागराज में माघ मेला के लिए लगाए गए अक्षयवट थाने के पास पीएसी कैंप में शार्ट सर्किट से बुधवार को आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने चार टेंट को अपनी चपेट में ले लिया। टेंट में रखा पीएसी के जवानों का सारा सामान जल गया। अक्षयवट थाने के पास ही फायर थाना भी बना है। सुबह लगभग पौने ग्यारह बजे जैसे ही पीएसी कैंप में आग लगने की सूचना मिली, फायरकर्मी तत्काल मौके पर पहुंच गए। थोड़ी ही देर में आग पर काबू पा लिया गया लेकिन तब तक आग ने चार टेंट को अपनी चपेट में ले लिया था।

बताया जा रहा है कि टेंट में पुलिसकर्मियों के बेड, बिस्तर और कपड़ों के अलावा अन्य सामान भी जलकर खाक हो गए। वहीं माघ मेला मीडिया सेल ने बताया कि आग की सूचना पर दमकल की 9 गाड़ियां आग बुझाने पहुंची थीं। तत्काल ही आग पर काबू पा लिया गया। उस वक्त उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या भी माघ मेला क्षेत्र में मौजूद थे। उन्होंने पुलिसकर्मियों की तत्परता पर बधाई दी। वहीं बुधवार को सिविल लाइंस स्थित एक बड़े होटल में भी आग लगने की चर्चा रही लेकिन इसकी जानकारी न तो सिविल लाइंस पुलिस को दी थी और न ही दमकल को। बताया जा रहा है कि छोटी सी आग लगी थी जिसे वहां के कर्मचारियों ने बुझा लिया।

यमुना सिटी में बनेगा यूपी एटीएस का मुख्यालय और कमांडो ट्रेनिंग सेंटर

नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के पास यूपी एटीएस (एंटी टेररिज्म स्क्वाड) का मुख्यालय बनेगा। इसके साथ ही कमांडो ट्रेनिंग सेंटर भी बनेगा। यहां पर अधिकारियों के दफ्तर और आवास भी बनाए जाएंगे। इसके लिए यमुना प्राधिकरण ने 3 एकड़ जमीन दी है। यमुना प्राधिकरण ने यह जमीन निशुल्क दी है। जेवर एयरपोर्ट के पास सरकारी संस्थान भी अपने मुख्यालय बनाने के लिए आगे आ रहे हैं। एयरपोर्ट के पास यूपी एटीएस ने अपना मुख्यालय बनाने के लिए

यमुना प्राधिकरण से संपर्क किया। एटीएस के आईजी डॉ. जीके गोस्वामी ने इसके लिए यमुना प्राधिकरण को अपना प्रस्ताव दिया। यमुना प्राधिकरण ने एटीएस के प्रस्ताव को गंभीरता से लिया। प्राधिकरण ने एटीएस मुख्यालय के लिए जमीन देने का फैसला किया।

किसान आंदोलन टुकड़े-टुकड़े गैंग का प्रयोग, सफल होने पर राम मंदिर पर भी दोहराया जाएगा: नरोत्तम मिश्रा

भोपाल : मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर चल रहा किसान आंदोलन टुकड़े-टुकड़े गैंग का एक प्रयोग है और यदि सफल हुआ तो यह गैंग संशोधित नागिरकता कानून (सीएए), अनुच्छेद-370 और राम मंदिर के मुद्दों पर भी दबाब बनाएगा। मिश्रा ने मीडिया से बात करने के साथ-साथ ट्वीट किया, ह्यह्लकेंद्र सरकार ने आंदोलनकारी किसानों से चर्चा के सभी विकल्प खुले रखे हैं। लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर्दे के पीछे से बातचीत

में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं। असल में अपना वजूद बचाने के लिए संघर्षरत कांग्रेस की किसान आंदोलन के नाम पर घड़ियाली आंसू दिखाना मजबूरी बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया, किसानों का धरना कोई जनांदोलन नहीं, टुकड़े-टुकड़े गैंग का एक ऐसा प्रयोग है जो सफल हो जाए तो इसके बाद गैंग सीएए, अनुच्छेद 370 और राममंदिर के मुद्दे पर भी दबाव बनाने का रास्ता खोल सके।

जिले के 27 केंद्रों पर आज 4239 स्वास्थ्यकर्मियों लगेगा टीका

वाराणसी: जिले में गुरुवार को 27 केंद्रों पर 4239 स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लगेगा। पहले स्वास्थ्य विभाग ने 13 केंद्रों पर 4100 को टीका लगाने का खाका तैयार किया था। अब उसमें बदलाव किया गया है। सभी स्वास्थ्यकर्मियों को बुधवार को मैसेज भेज दिया गया। सभी कोल्ड चेन पॉइंट पर वैक्सीन पहुंचा दी गई है।जिले में अब तक चार तिथियों पर हुए टीकाकरण के लिए 13253 लोगों को मैसेज भेजा गया है। उनमें 7706 स्वास्थ्यकर्मियों को टीका लग चुका है। शुक्रवार को पहले चरण के टीकाकरण का अंतिम दिन है। 15 फरवरी को पहले चरण में छूट गए लोगों को टीका लगेगा। सीएमओ डॉ. वीबी सिंह ने बताया कि टीकाकरण के ज्यादा से ज्यादा लक्ष्य को पूरा करने की तैयारी है। सीएचसी चोलापुर, मिसिरपुर, आराजीलाइन, एपेक्स हॉस्पिटल, केयर हॉस्पिटल सुंदरपुर, सेंट्रल रेलवे हॉस्पिटल बीएलडब्ल्यू, पीएचसी बड़ागांव, पीएचसी हरहुआ, सीएचसी शिवपुर, शुभम हॉस्पिटल।

छात्रा की परीक्षा न छूटे इसलिए बढ़ा दी ट्रेन की रफ्तार, भाई ने ट्वीट कर मांगी थी मदद

वाराणसी: रेलवे यात्रियों की पूरी फिक्र करता है। इसका उदाहरण बुधवार को सामने आया। एक छात्रा की परीक्षा न छूटने पाए इसलिए ट्रेन की रफ्तार बढ़ा दी गई। तीन घंटे लेट चल रही ट्रेन ने ऐसी गति पकड़ी कि छात्रा समय से पहले अपने सेंटर पर पहुंच गई और निर्विघ्न परीक्षा दे पाई। छात्रा के भाई का ट्वीट मिलते ही रेलवे हरकत में आया।

गाजीपुर की नाजिया तबस्सुम का डीएलएड बैक पेपर का परीक्षा केंद्र वाराणसी के वल्लभ विद्यापीठ बालिका इंटर कालेज में था। बुधवार दोपहर में पेपर था। नाजिया ने छपरा-वाराणसी सिटी एक्सप्रेस में मऊ से रिजर्वेशन कराया था। मऊ में सुबह 6:25 बजे ट्रेन को पहुंचना था लेकिन वह दो घंटे 53 मिनट की देरी से 9:18 बजे पहुंची। को ट्वीट कर ट्रेन के लेट होने से परीक्षा छूटने की आशंका जताई। बताया कि उनकी बहन का 12 बजे से एग्जाम है।

कविता

मन का वैराग्य प्रभु साधना में जरूरी

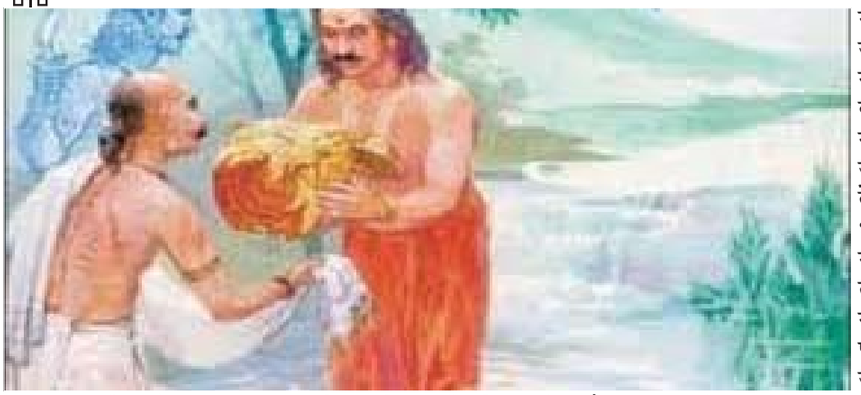

संन्यास के सही मायने समझ जाएं, तो परमपिता से मिलना भी कठिन न रहेगा। जैसे कमल अपने मूल से जुड़ा रहकर भी उससे अलिप्त रहता है, वैसे ही है संन्यासी। महावीर कहते हैं,ह्यजैसे कमल शरद काल के निर्मल जल को भी नहीं छूता...। बड़ी मजे की बात कही है। यह पुष्प गंदे जल को तो छूता ही नहीं... निर्मल जल को भी नहीं छूता। जिसको छूने में कोई हर्ज भी न होगा, लाभ भी शायद हो जाए, उसको भी नहीं छूता। छूता ही नहीं। लाभ-हानि का सवाल नहीं है। गंदे और पवित्र का भी सवाल नहीं है। छूना ही छोड़ दिया है। पाप को तो छूता ही नहीं, पुण्य को भी नहीं छूता है। जैसे कमल अलिप्त रहता है, वैसे ही संसार से अपनी समस्त आसक्तियां मिटा कर सब प्रकार के स्नेह-बंधनों से रहित हो जा गौतम! वह गौतम को कह रहे हैं कि ऐसा ही तू भी हो जा। जहां-जहां हमारा स्नेह है, वहां-वहां स्पर्श है, स्नेह हमारे छूने का ढंग है। जब आप स्नेह से किसी को देखते हैं, छू लिया, चाहे कितने ही दूर हों। एक आदमी क्रोध से आकर छुरा मार दे आपको, तो भी छूता नहीं है। छुरा आपकी छाती में चला जाए, लहूलुहान हो जाए सब, तो भी आपको छूता नहीं है। दूर है बहुत। और एक आदमी हजारों मील दूर हो और आपकी याद आ जाए स्नेह-सिक्त, तो छू लेता है। पर संन्यासी का अर्थ है कमलवत। कमल के पत्ते पर बूंद गिरती है पानी की, पड़ी रहती है, मोती की तरह चमकती है। जैसी पानी में भी कभी नहीं चमकी थी, वैसी कमल के पत्ते पर चमकती है। मोती हो जाती है। जब सूरज की किरण पड़ती, तो कोई मोती भी क्या फीका हो जाए, वैसी कमल के पत्ते पर बूंद चमकती है। लेकिन पत्ते को कहीं छूती नहीं, पत्ता अलिप्त ही बना रहता है। ऐसी चमकदार बूंद, ऐसा मोती जैसा अस्तित्व उसका, और पत्ता अलिप्त बना रहता है। भागता भी नहीं छोड़ कर पानी को, पानी में ही रहता है। पानी में ही उठता है, पानी के ही ऊपर जाता है और कभी छूता नहीं, अछूता बना रहता है। एक यह अलिप्तता का जो भाव है.

सरसों, चना, मेथी या बथुआ सभी का साग जबरदस्त फायदों से है भरा, जानें किसमें हैं कितने गुण

कई लोग हरी-साग सब्जियां तभी खाते हैं, जब वो किसी बीमारी से गुजर रहे होते हैं या फिर उन्हें वजन कम करना होता है लेकिन साग का सेवन हमेशा आपके लिए अच्छा होता है। आज हम आपको अलग-अलग तरह के साग खाने के फायदे बता रहे हैं- **सरसों का साग**

सरसों का साग खाने में तो बहुत स्वादिष्ट होता ही है इसके साथ ही सर्दियों में इसका सेवन करने से हमारी सेहत भी अच्छी रहती है। सरसों के साग में कैलोरी, फैट, काबोर्हाइड्रेट, फाइबर, शुगर, पोटेशियम, विटामिन ए, सी, डी, बी 12, मैग्नीशियम, आयरन और कैल्शियम की भरपूर मात्रा होती है।

यह एंटीऑक्सीडेंट्स की मौजूदगी के कारण न सिर्फ शरीर से विषैले पदार्थो को दूर करते हैं बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाते हैं।चने का साग चने का साग खाने में पौष्टिक और स्वादिष्ट होता है। चने के साग में काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन व विटामिन पाये जाते हैं। यह कब्ज, डायबिटिज, पीलिया आदि रोगों में बहुत फायदेमंद होता है। चने का साग हमारे शरीर में प्रोटीन की आपूर्ति करता है।बथुए का साग बथुआ कई औषधीय गुणों से भरपूर होता है। इसमें बहुत से विटामिन, कैल्शियम, फॉस्फोरस और पोटैशियम पाए जाते है। बथुआ नियमित खाने से गुर्दे में पथरी होने का खतरा काफी कम हो जाता है। गैस, पेट में दर्द और कब्ज की समस्या भी दूर हो जाती है। चौलाई में काबोर्हाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन-ए, मिनिरल और आयरन प्रचुर मात्रा में पाए जाते है।

सर्दियों में मेथी की सब्जी या पराठे नहीं ट्राई करें मेथी पुलाव, स्वाद ही नहीं सेहत से भी है भरपूर

सर्दियों में आपने मेथी की सब्जी और पराठे तो कई बार खाए होंगे लेकिन क्या आपने इससे बने पुलाव का स्वाद भी चखा है। जी हां सब्जी और पराठों की ही तरह स्वाद के मामले में ये आपको निराश नहीं करेगा। मैथी पुलाव पौष्टिक होने के साथ स्वादिष्ट भी होता है।

मेथी में प्रचूर मात्रा में आयरन और विटामिन उ पाया जाता है। ऐसे में जब कभी इस मौसम में कुछ हल्का खाने का मन करें तो आप ये मेथी पुलाव ट्राई कर सकती हैं। मेथी पुलाव को बूंदी रायता और कचुम्बर सलाद के साथ परोसा जा सकता है। आइए जानते हैं आखिर कैसे बनाई जाती है ये मजेदार रेसिपी।

मेथी पुलाव बनाने की विधि–

मेथी पुलाव बनाने के लिए सबसे पहले चावल को उबालने के लिए पानी में थोड़ा सा नमक डालकर उन्हें प्रेशर कुकर में 2 सिटी आने तक पकाएं। अब एक कढ़ाई में घी गरम करके इसमें ढाल चीनी, लौंग, इलाइची डालकर उसे 15 सेकंड तक पकाएं। 15 सेकंड बाद इसमें प्याज डालकर उसे नरम होने तक पकने दें।

अब इसमें अदरक और लहसुन डालकर उसे 1 मिनट तक पकने दे। अब इसमें टमाटर डालकर उन्हें नरम होने तक पकाएं। टमाटर के नरम होने के बाद इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर और नमक डालकर अच्छे से मिलाकर 3 से 4 मिनट तक पकने दें। 4 मिनट के बाद इसमें मेथी डालकर उसे अच्छे से पका लें। मेथी के पकने के बाद इसमें पके हुए चावल डालकर 2 मिनट और पकने दें।

आपका मेथी पुलाव तैयार है, गैस बंद करें और उसे गरमा गरम बूंदी रायता और कचुम्बर सलाद के साथ सर्व करें।

सामग्री

- प्याज लंबा पतला कटा हुआ
- इंच अदरक कसा हुआ
- कली लहसुन कसा हुई
- टमाटर बारीक कटे हुए
- कप मेथी धोकर काट लें
- टी स्पून लाल मिर्च पाउडर
- टी स्पून धनिया पाउडर
- टी स्पून गरम मसाला पाउडर
- दाल चीनी

रणवीर सिंह के कपड़ों से भी महंगा निकला दीपिका पादुकोण का बैग !

महंगे फैशन ब्रैंड में ही बाहर जाना पसंद करती हैं, वहीं रणवीर सिंह अपने अजीबो-गरीब फैशन सेंस के चलते निशाने पर रहते हैं। हाल ही में कीमत में दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह अपने फैशन सेंस को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। जहां दीपिका दोनों को एक बार फिर दिलचस्प लुक में स्पोर्ट किया गया। दीपिका और रणवीर एयरपोर्ट लुक की वजह से चर्चा में हैं। दीपिका एयरपोर्ट पर लाइट पिंक कलर की हुडी और ट्रैक पैंट में नजर आईं। उन्होंने इसके साथ वाइट स्नीकर्स और पिंक चश्मा पहना था।

लेदर बैग और वाइट फेस मास्क ने उनके इस लुक को कम्प्लीट किया। दीपिका के इस पूरे लुक की खास बात उनका कीमती लेदर बैग था। उनका बैग, ब्रांड का है, जिसकी कीमत 2,790 डॉलर यानी इंडियन करेंसी के मुताबिक 2 लाख रुपए है।दीपिका इतने महंगे बैग को फ्लॉन्ट करती हुई नजर आईं, तो वहीं उनके पति रणवीर येलो हुडी पहने नजर आए। जिसकी कीमत कुछ ज्यादा नहीं है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हुडी की कीमत 53 डॉलर यानी इंडियन करेंसी के मुताबिक 3025 रुपए है। उनकी इस हुडी पर आगे लिखा है जिसका मतलब होता है मशहूर हॉलीवुड सिंगर जस्टिन बीबर का फैशन ब्रैंड है।

पति ने पत्नी से कहा पिछले महीने का हिसाब दो
पत्नी ने हिसाब लिखना शुरू किया और बीच बीच में लिखने लगी भ. जा. कि. गे .
800भ. जा. कि. गे .
2000भ. जा. कि. गे .
500भ. जा. कि. गे .
पति ने पूछा ये भ. जा.कि. गे की क्या है ?
पत्नी : भगवान जाने किधर गए

आजकल बीवी बात-बात में GYSXT बोलने लगी है कैसी भी बहस चल रही हो वो GYSXT बोल कर बहस को खत्म कर देती है.
तंग आकर मैंने पूँछ ही लियाः ये तुम बात करते-करते बीच में ही GYSXT बोल कर चल देती होक्या मतलब है तुम्हारा ?
और उसने जो जवाब दिया वो सुनकर मैं बेहोश होते होते बचा
GY - गलती
SX - सिर्फ
T -तुम्हारी है

पतिदेव बेडरूम मे बैठा लेपटाप पर काम रहे थे।
पास ही बेड पर आराम से लेटी हुए पत्नी मोबाइल में बिजी थी
अचानक पति के मोबाइल पर व्हाटसअप मैसज की रिंग टोन बजी ।
जो कि फ्रीज के ऊपर चार्जिगं पर लगा था।
पति झपट कर मोबाइल के पास पहुंचा और चेक किया तो उस पर पत्नी का मैसेज आया था।
ह्लआते हुए फ्रिज मे से पानी की बोतल उठाते लानाह्व

शादी के वक़्त समझौता दोनों करते है।
स्त्री मां बाप व मायका छोड़ देती है
और पुरुष
सुख-शांति व अच्छे दिनों की उम्मीद।

पप्पू- पापा मुझे ऊख खरीदकर दो।
पापा- नहीं दूंगा तू लोगों को तंग करेगा।
पप्पू- नहीं पापा,
मैं किसी को तंग नही करुंगा जब सब सो जायेंगे तभी बजाया करूंगा

खेल

ICC प्लेयर ऑफ द मंथः जनवरी के लिए पंत, रूट और स्टर्लिंग हुए नॉमिनेट

नई दिल्ली :ऑस्ट्रेलिया में भारत की एतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में शामिल विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मंगलवार को इंग्लैंड के कप्तान जो रूट और आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग के साथ आईसीसी के महीने के बेस्ट मेंस खिलाड़ी के अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। इंटरनैशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने पहली बार महीने के बेस्ट खिलाड़ी के लिए नॉमिनेशन दिया है। इस अवॉर्ड के जरिए इंटरनैशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मैट में बेस्ट प्रदर्शन करने वाले पुरुष और महिला खिलाड़ियों को पूरे साल मान्यता मिलेगी।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के चुनाव में होगा आज होगा घमासान मैरीकॉम ने अजय सिंह को किया सपोर्ट

नई दिल्लीः भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के पदाधिकारियों का बहुप्रतिक्षित चुनाव तीन फरवरी को गुरुग्राम में होगा जिसमें घमासान होने की पूरी उम्मीद है। बीएफआई के अध्यक्ष के लिए मुकाबला मौजूदा अध्यक्ष अजय सिंह और महाराष्ट्र के कद्दावर खेल प्रशासक आशीष शेलार के बीच है। दोनों पक्षों ने

अपनी अपनी जीत के दावे किए हैं। चुनाव से पहले छह बार की विश्व चैंपियन और ओलम्पिक पदक विजेता एमसी मैरीकॉम ने बाकायदा कहा कि अजय सिंह ने भारतीय मुक्केबाजी के लिए काफी सराहनीय काम किया है जिससे भारतीय मुक्केबाजों ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है . और भारत को मुक्केबाजी में एक ताकत के रूप में देखा जा रहा है शेलार ने हाल में दिल्ली और मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी दावेदारी को मजबूती से पेश किया था।

एक और मुसीबत में घिरे अर्नब गोस्वामी, मुंबई पुलिस के DCP ने दर्ज कराया मानहानि का मुकदमा

मुंबईः रिपब्लिक भारत के एडिटर इन चीफ अर्नब गोस्वामी की मुश्किलें कम होती दिखाई नहीं दे रही है। अब मुंबई पुलिस के डीसीपी ने सुशांत सिंह राजपूत की मौत की कवरेज को लेकर उनपर मानहानि का मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अधिकारी ने अर्नब गोस्वामी, उनकी पत्नी, और रिपब्लिक भारत के जनक अफ्क्ष् ड४३ी१ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ आपराधिक मानहानि का मामला दर्ज कराया है। मुंबई पुलिस के डीसीपी ने है कि कहा कि न्यूज एंकर अर्नब गोस्वामी ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की जून 2020 की मौत की जांच के प्रसारण और अपनी ट्विटर पोस्ट में उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। मंगलवार को मुकदमा अदालत में दायर किया गया और बुधवार को उसे पब्लिक कर दिया गया। पुलिस उपायुक्त अभिषेक त्रिमुखे ने गोस्वामी और उनकी पत्न ी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 500 (मानहानि की सजा) और धारा 501 (मानहानि करने के लिए छपाई या उत्कीर्णन मामले) के तहत मुकदमा चलाने की मांग की। उन्होंने मानहानि के मुआवजे की मांग की है। रिपब्लिक टीवी के कानूनी सलाहकार ने कहा मुकदमा दायर करने वाले अधिकारनी ने फेक ट्विटर अकाउंट का हवाला दिया है

शरजील उस्मानी को गिरफ्तार किया जाएगा: अनिल देशमुख

मुंबईः महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख ने कहा कि पुणे में भड़काऊ भाषण देने वाला शरजील उस्मानी कहीं भी हो, उसे गिरफ्तार किया जाएगा। शरजील के विरुद्ध पुणे पुलिस ने मंगलवार को ही आपराधिक मामला दर्ज कर लिया है। 30 जनवरी को पुणे में आयोजित एलगार परिषद में उसने हिंदू धर्म पर अशोभनीय टिप्पणियां की थीं।

महाराष्ट्र के गृहमंत्री देशमुख ने बुधवार को कहा कि शरजील उस्मानी इस समय महाराष्ट्र में नहीं है। लेकिन पुलिस ने भड़काऊ टिप्पणियां करने के मामले में उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। वह बिहार, उत्तर प्रदेश, गुजरात जहां कहीं भी होगा, पुलिस उसे गिरफ्तार करेगी।

कब सुलझेगी मौत की गुत्थी? सुशांत सिंह राजपूत मामले में NCB की बड़ी कार्रवाई, एक्टर के इस दोस्त को हिरासत में लिया

मुंबई : बॉलीवुड के दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत हुए महीनों बीत गए हैं, लेकिन अभी तक यह साफ नहीं हो सका है कि उन्होंने खुदकुशी की थी या फिर हत्या की गई। इस मामले में सीबीआई, एनसीबी समेत कई जांच एजेंसियां विभिन्न ऐंगल्स पर जांच कर रही हैं। एनसीबी ने मंगलवार को सुशांत के दोस्त और असिस्टेंट डायरेक्टर ऋषिकेश पवार को हिरासत में लिया है। एजेंसी अब पवार से पूछताछ करेगी। सुशांत की मौत के बाद बॉलीवुड में सामने आए ड्रग्स ऐंगल की एनसीबी जांच कर रही है। एनसीबी को प्रवर्तन निदेशालय (एऊ) की जांच के दौरान ड्रग्स कनेक्शन का पता चला था। ईडी ने कई आरोपियों की वॉट्सऐप चैट्स से बॉलीवुड इंडस्ट्री में ड्रग्स कनेक्शन का भंडाफोड़ किया था, जिसके बाद एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण, सारा अली खान समेत कई जानी-मानी हस्तियों से पूछताछ हुई थी।

गाजीपुर बॉर्डर पहुंच टिकैत से मिले संजय राउत

मुंबई। शिवसेना नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत गाजीपुर बार्डरपहुंच केंद्रीय कृषि कानूनों का विरोध कर रहे किसानों से मुलाकात की। शिवसेना सांसद संजय राउत ने कहा हमने टिकैत साहब से बात की, अपना संदेश दिया और एकजुटता व्यक्त की। सरकार को किसानों से उचित तरीके से बात करनी चाहिए। अहंकार देश को चलाने में मदद नहीं करेगा। संजय राउत सिंघु बार्डर भी जाएंगे। बता दें कि किसानों की रैली में अब सियासत का तड़का जमकर लग रहा है, विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकर्ता किसान आंदोलन में पहुंच रहे हैं। शिवसेना नेता संजय राउत ने ट्वीट कर जानकारी दी थी कि वो आज गाजीपुर बॉर्डर पर किसानों से मिलने पहुंच रहे हैं। राउत ने ट्वीट में लिखा था कि, महाविकास अघाड़ी सरकार ने किसानों के हित में कई निर्णय लिए हैं।

महाराष्ट्र में 15 फरवरी से फिर से खुल जाएंगे कॉलेज, शिक्षा मंत्री उदय सामंत ने की घोषणा

मुंबई। कोरोना महामारी के बीच लंबे अंतराल के बाद महाराष्ट्र में 15 फरवरी से फिर से कॉलेज की कक्षाएं शुरू करने के लिए तैयारी हो रही है। राज्य के उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री उदय सामंत ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि कॉलेजों में छात्रों की क्षमता 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी और इस शैक्षणिक वर्ष के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। यहां तक कि जैसे ही कॉलेज फिर से खुलते हैं, शिक्षा के लिए ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों मोड जारी रहेंगे, न केवल कक्षाओं और व्याख्यानों के लिए बल्कि परीक्षाओं के लिए भी। इसके

लिए सभी विश्वविद्यालयों को अपनी स्थानीय स्थितियों के आधार पर अंतिम निर्णय लेना होगा और इस संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी विशिष्ट दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। कॉलेजों को फिर से खोलने की योजना चरणों में लागू होगी, जहां पहला चरण 15 फरवरी से 5 मार्च तक होगा। इसके बाद, अगले चरण में समीक्षा की जा सकती है। यूजीसी द्वारा जारी किए गए सामाजिक भेद दिशानिर्देशों के अनुसार किसी भी हॉस्टल को पहले चरण में आवास की पेशकश को फिर से शुरू करने की अनुमति नहीं दी गई है। पिछले कुछ समय से कॉलेजों को फिर से खोलने पर विचार चल रहा है। लेकिन विशेषज्ञों की राय लेने और स्थानीय परिस्थितियों को समझने से निर्णय में देरी हुई। गौरतलब है कि देश में सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमण के मामले महाराष्ट्र में सामने आये हैं। कोरोना महामारी के बीच पुणे में भी 11 महीनों से बंद पड़े स्कूल कक्षा 5वीं से 8वीं के छात्रों के लिए सोमवार से खोल दिए गए हैं। हालांकि मुंबई के स्कूल अभी बंद हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास, गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित। संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
T.C. NO. MAHHIN10172 ईमेल: newsicon2021@gmail.com newsicon.net